



राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, के सन्दर्भ में व्यावसायिक शिक्षा में बदलाव एवं चुनौतियां

Jay Parkash (Assistant Prof.)

Droan College of Education & Technology, Rudrapur

सारांश

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 भारत में व्यावसायिक शिक्षा के लिए एक परिवर्तनकारी दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है, जिसका उद्देश्य व्यावसायिक कौशल को मुख्यधारा की शिक्षा में एकीकृत करना है। यह लेख व्यावसायिक प्रशिक्षण को बढ़ाने के लिए नीति की पहलों, रोजगारपरकता पर इसके संभावित प्रभाव और इसके कार्यान्वयन में आने वाली चुनौतियों की पड़ताल करता है। विभिन्न पाठ्यक्रमों के माध्यम से एक उत्पादक और कुशल कार्यबल तैयार करने के लिए, असंगठित क्षेत्र की आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु व्यावसायिक शिक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है। एनईपी 2020 विविध प्रकार के व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को स्व-रोजगार के अवसर प्रदान करने के महत्व को रेखांकित करती है। एनईपी 2020 के अनुसार, व्यावसायिक शिक्षा उन शैक्षिक कार्यक्रमों को संदर्भित करती है जो व्यक्तियों को विशिष्ट कैरियर या कौशल के लिए तैयार करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। यह मुख्य रूप से व्यावहारिक कौशल और व्यावहारिक प्रशिक्षण पर केंद्रित है जो कार्यस्थल में रोजगार से सीधे संबंधित हैं। एनईपी 2020 भारत में व्यावसायिक शिक्षा के विस्तार को दर्शाती है, जो अनौपचारिक और औद्योगिक दोनों क्षेत्रों में एक कुशल श्रम शक्ति प्रदान करेगी।

मुख्य बिन्दु— एनईपी 2020, व्यावसायिक शिक्षा, स्व-रोजगार, व्यावहारिक कौशल, व्यावसायिक प्रशिक्षण

प्रस्तावना

ऐतिहासिक रूप से, भारत ने व्यावसायिक शिक्षा को कम करके आंका है और अक्सर इसे एक गौण विकल्प के रूप में देखा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 व्यावसायिक प्रशिक्षण को मुख्यधारा में लाकर और इसे उद्योग की ज़रूरतों के साथ जोड़कर इस धारणा को बदलने का प्रयास करती है। कई लेखक व्यावसायिक शिक्षा के लिए नीति के ढाँचे और छात्रों, शिक्षकों और अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभावों का अध्ययन करते हैं।

राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद को व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण के विकास, गुणात्मक सुधार और विनियमन, पुरस्कार देने वाली संस्थाओं, मूल्यांकन एजेंसियों, कौशल सूचना प्रदाताओं और प्रशिक्षण संस्थाओं को मान्यता प्रदान करने और उनके कामकाज की निगरानी करने, और इस प्रस्ताव (गैनी, 2022) (1) में निर्दिष्ट अन्य आकस्मिक कार्य करने का दायित्व सौंपा जाएगा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार, व्यावसायिक प्रशिक्षण, जिसे कैरियर और तकनीकी शिक्षा के रूप में भी जाना जाता है, एक शैक्षिक दृष्टिकोण है जो किसी विशिष्ट नौकरी या व्यवसाय से संबंधित व्यावहारिक कौशल और ज्ञान प्रदान करने पर केंद्रित है। विभिन्न लेखों (जोशी और सोमानी, 2021, मलिक और दास,

2022) (5,7) के अनुसार, एनईपी 2020 उस विशिष्ट क्षेत्र में व्यावहारिक प्रशिक्षण या व्यावहारिक शिक्षा और कौशल विकास पर जोर देता है, जो युवाओं के लिए उनके चुने हुए क्षेत्र में रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए महत्वपूर्ण है।

व्यावसायिक शिक्षा को न केवल साक्षरता और संख्यात्मकता की मूलभूत क्षमताओं और उच्च क्रम की संज्ञानात्मक क्षमताओं, जैसे कि आलोचनात्मक सोच और समस्या-समाधान, बल्कि सामाजिक, नैतिक और भावनात्मक क्षमताओं और स्वभावों का भी विकास करना चाहिए। ऐसा प्रतीत होता है कि एनईपी 2020 तेजी से बदलते रोजगार परिदृश्य और वैश्विक पारिस्थितिकी तंत्र को समायोजित करने के लिए उच्च शिक्षा संस्थानों में छात्रों के लिए अवसरों का विस्तार करेगा। व्यावसायिक शिक्षा को कम सामग्री और अधिक सीखने की ओर स्थानांतरित करना चाहिए कि कैसे गंभीर रूप से सोचें और समस्याओं को हल करें, कैसे रचनात्मक और बहु-विषयक बनें प्रारंभिक वर्षों में ऐसी आधारभूत शिक्षा प्रदान करने से सभी बच्चों को, चाहे उनकी सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि कुछ भी हो, स्कूल में उत्कृष्टता प्राप्त करने तथा अपनी शैक्षणिक उपलब्धियों और जीवन की समग्र गुणवत्ता को बढ़ाने के समान अवसर की गारंटी मिलती है।

व्यावसायिक शिक्षा के उद्देश्य

- 1). भारत की युवा पीढ़ी को स्व-रोजगार के अवसर प्रदान करके बेरोजगारी को समाप्त करना।
- 2). समाज के कल्याण के लिए वैज्ञानिक और तकनीकी ज्ञान का उपयोग और अनुप्रयोग करना।
- 3). भारतीय अर्थव्यवस्था की उत्पादक क्षमता और देश के नागरिकों के आर्थिक स्तर को बढ़ाना।
- 4). मानव संसाधनों का उपयोग करना, युवाओं को कुशल और विशेषज्ञ तकनीशियन के रूप में प्रशिक्षित करना, और सामाजिक और आर्थिक न्याय सुनिश्चित करने के लिए आर्थिक प्रगति के लाभों के समान वितरण में योगदान देना।
- 5). महिलाओं, ग्रामीण और आदिवासी छात्रों, और समाज में हाशिए पर रहने वाले लोगों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए समान अवसर प्रदान करना।

भारत में व्यावसायिक शिक्षा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार, स्कूल और उच्च शिक्षा प्रणालियों में लगभग 50% शिक्षार्थियों को 2025 तक व्यावसायिक शिक्षा का अनुभव प्राप्त होगा, जिसके लिए विशिष्ट लक्ष्यों और समय के भीतर स्पष्ट कार्यान्वयन योजना बनाई जाएगी। यह नीति एक ऐसे दृष्टिकोण को बढ़ावा देगी जो भारतीय श्रम शक्ति की गरिमा पर जोर देती है और भारतीय कलाओं और कारीगरी के विभिन्न रूपों को शामिल करती है। 2025 में नीति के कार्यान्वयन के साथ, उच्च शिक्षा संस्थान के छात्र एक स्पष्ट कार्य योजना के साथ व्यावसायिक शिक्षा के लक्ष्य की ओर बढ़ सकते हैं। नीति में कहा गया है कि सभी उच्च शिक्षण संस्थान व्यावसायिक

शिक्षा को चरणबद्ध तरीके से लागू करेंगे और इसे मुख्यधारा की शिक्षा के साथ एकीकृत करेंगे। एनईपी 2020 में व्यावसायिक शिक्षा के माध्यम से कौशल विकास, जिसमें व्यावहारिक प्रशिक्षण भी शामिल है, कौशल और क्षमताओं को बढ़ाने के साथ-साथ अन्य शैक्षणिक मापदंडों के विकास को भी बढ़ावा देना शामिल है। एनईपी 2020 के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए, उच्च शिक्षा संस्थानों को औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई), पॉलिटेक्निक संस्थानों, औद्योगिक इकाइयों आदि के साथ सहयोग करना होगा। व्यावसायिक शिक्षा को अगले दस वर्षों में स्कूलों और अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों में एक एकीकृत शिक्षा नीति के रूप में सुव्यवस्थित तरीके से लागू किया जाएगा। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के अनुसार, 2025 तक लगभग 50% छात्रों को व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा। कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) भारत में व्यावसायिक प्रशिक्षण और करियर विकास कार्यक्रमों के विकास और समन्वय के लिए जिम्मेदार मंत्रालय है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में सिफारिशें

कला, विज्ञान और वाणिज्य जैसी विभिन्न शैक्षणिक धाराएँ, विभिन्न पाठ्यचर्या और पाठ्येतर गतिविधियों के साथ-साथ व्यावसायिक और शैक्षणिक धाराओं के साथ-साथ मौजूद हैं (एनईपी 2020 सिद्धांत)। यह हमारे देश के सभी युवाओं के लिए सार्वभौमिक पहुँच और अवसर प्रदान करने हेतु एक समन्वित राष्ट्रीय स्तर का प्रयास है। इसका उद्देश्य व्यावसायिक शिक्षा सहित शिक्षा के प्रति एक उच्च-गुणवत्तापूर्ण समग्र दृष्टिकोण प्राप्त करना है।

- एनईपी 2020 जीवन कौशल, शारीरिक शिक्षा, कला और शिल्प, तथा व्यावसायिक कौशल जैसे विषयों का लचीलापन और अध्ययन के लिए विकल्प प्रदान करती है।
- व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रमों को एकीकृत रूप से मुख्यधारा की शिक्षा में शामिल किया गया है।
- व्यावसायिक शिक्षा आजीवन शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए बहुविध और लचीले मार्गों को बढ़ावा देकर क्षमता निर्माण को बढ़ावा देती है जो शिक्षा के सभी स्तरों के बीच जुड़ाव और संक्रमण को बढ़ाती है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार, 'लोक विद्या' को भारत में विकसित एक महत्वपूर्ण व्यावसायिक ज्ञान के रूप में प्रस्तावित किया गया है।

- मानव संसाधन विकास मंत्रालय (जिसे अब शिक्षा मंत्रालय का नाम दिया गया है) द्वारा गठित व्यावसायिक शिक्षा के एकीकरण हेतु राष्ट्रीय समिति (NCIVE), उद्योग जगत के सहयोग से व्यावसायिक शिक्षा का प्रस्ताव करती है।

- व्यावसायिक शिक्षा के एकीकरण हेतु राष्ट्रीय समिति (NCIVE) संस्थान में व्यावसायिक शिक्षा को पहुँचाने में मदद करती है। उच्च शिक्षा संस्थान व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षुता के विभिन्न मॉडलों का भी प्रयोग करेंगे। उच्च शिक्षा संस्थान उद्योगों के साथ साझेदारी में इनक्यूबेटर केंद्र स्थापित करेंगे।
 - राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढाँचे को प्रत्येक विषय, व्यवसाय और पेशे के लिए और विस्तृत किया जाएगा। देश के सभी बच्चों के लिए व्यावसायिक सहित गुणवत्तापूर्ण समग्र शिक्षा प्राप्त करने हेतु सार्वभौमिक पहुँच सुनिश्चित करने और अवसर प्रदान करने के लिए एक ठोस राष्ट्रीय प्रयास किया जाएगा।
 - व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रमों को मुख्यधारा की शिक्षा में चरणबद्ध तरीके से शामिल किया जाना चाहिए, जिसकी शुरुआत माध्यमिक और माध्यमिक विद्यालयों में प्रारंभिक व्यावसायिक शिक्षा से की जानी चाहिए।
 - अगले दस वर्षों में, सभी स्कूल और उच्च शिक्षा संस्थान धीरे-धीरे व्यावसायिक शिक्षा को एकीकृत करेंगे। व्यावसायिक शिक्षा का चयन कौशल अंतराल विश्लेषण और स्थानीय अवसरों के मानचित्रण के आधार पर किया जाएगा।
 - उच्च शिक्षा संस्थान व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षुता के विभिन्न मॉडलों का भी प्रयोग करेंगे। उच्च शिक्षा संस्थान उद्योगों के साथ साझेदारी में इनक्यूबेटर केंद्र स्थापित करेंगे।
- लोक विद्या, अर्थात् भारत में विकसित महत्वपूर्ण व्यावसायिक ज्ञान, व्यावसायिक शिक्षा पाठ्यक्रमों में एकीकरण के माध्यम से छात्रों के लिए सुलभ बनाया जाएगा।
- राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढाँचे को प्रत्येक विषय, व्यवसाय और पेशे के लिए और विस्तृत किया जाएगा। इसके अलावा, क्रेडिट-आधारित ढाँचा सामान्य और व्यावसायिक दोनों क्षेत्रों में गतिशीलता को सुगम बनाएगा।
 - राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 देश में व्यावसायिक शिक्षा के संभावित विस्फोटक विकास की घोषणा करती है क्योंकि इसमें ज्ञान और कौशल प्रदान करने के लिए सभी शैक्षणिक संस्थानों का एकीकरण आवश्यक है। आने वाले दशक में बड़ी संख्या में शैक्षणिक संस्थान, अर्थात् स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय, संभावित व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (VET) प्रदाताओं के रूप में कार्य करेंगे, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि लाखों छात्रों को व्यावसायिक प्रशिक्षण उपलब्ध होगा।
 - अनौपचारिक क्षेत्र की आवश्यकताओं को पूरा करने वाले और पूरे भारत में व्यावसायिक प्रशिक्षण की विस्तृत शृंखला के माध्यम से युवाओं को स्व-रोजगार कौशल से लैस करने वाले विभिन्न पाठ्यक्रमों के माध्यम से एक उत्पादक कार्य बल के निर्माण के लिए व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण अत्यंत आवश्यक हैं।

- एनईपी 2020 प्रयोगशाला—आधारित, कौशल आधारित शैक्षिक कार्यक्रमों और सीखने के अनुभवों के साथ व्यावसायिक शिक्षा डिजाइन पर जोर देता है जो छात्रों को वर्तमान तकनीकी विकास और नवाचारों जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बिग डेटा एनालिटिक्स, मशीन लर्निंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स आदि के साथ भविष्य में वैश्विक कार्यबल के अनुकूल होने में मदद करता है, जो पाठ्यक्रम और शिक्षाशास्त्र के नवीनीकरण की मांग करते हैं।

व्यावसायिक शिक्षा का भविष्य

एनईपी 2020 के एक घटक के रूप में, भारत में व्यावसायिक शिक्षा एक नई शिक्षा प्रणाली का प्रस्ताव करती है जिसने युवाओं को नौकरी की दुनिया के नए क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए आवश्यक दक्षताओं से लैस करने का प्रयास किया है। एनईपी 2020 हमारे छात्रों को 21वीं सदी के आधुनिक कौशल से सशक्त बनाने पर केंद्रित है। इस संदर्भ में, छात्रों को औद्योगिक सुधार की चुनौतियों का सामना करने के लिए खुद को कुशलता से तैयार करने का अवसर मिलेगा। एनईपी 2020 के सफल कार्यान्वयन के लिए, छात्रों को प्रौद्योगिकी और नवाचारों में तेजी से हो रही प्रगति के अनुकूल होने के लिए आवश्यक कौशल से लैस करना महत्वपूर्ण है। इसके लिए एक आधुनिक शिक्षा प्रणाली को अपने पुराने पाठ्यक्रम और शिक्षण पद्धति में सुधार करने की आवश्यकता है। एनईपी 2020 ऐसे बदलावों का प्रस्ताव करती है जो नियोक्ताओं की कौशल की मांग में, विशेष रूप से अधिक प्रौद्योगिकी और कौशल—आधारित कार्य वातावरण की ओर संक्रमण में, महत्वपूर्ण बदलाव लाते हैं। नौकरी की दुनिया की वर्तमान आवश्यकताओं से निपटने के लिए अच्छे कौशल द्वारा समर्थित पाठ्यक्रम में व्यवस्थित बदलाव की आवश्यकता होगी, जो वर्तमान और भविष्य के कार्य वातावरण में सबसे महत्वपूर्ण हैं (कुमार 2022) (6)।

चुनौतियाँ और बाधाएँ

ये चुनौतियाँ विविध आयामों को समेटे हुए हैं और भारतीय शिक्षा प्रणाली में व्यावसायिक शिक्षा के सफल एकीकरण को सुनिश्चित करने के लिए व्यापक समाधानों की आवश्यकता है।

- मौजूदा शिक्षा प्रणाली के पारंपरिक शैक्षणिक मार्गों को व्यावसायिक शिक्षा में बदलने की एक महत्वपूर्ण चुनौती है।
- कुछ व्यवसायों के प्रति सामाजिक पूर्वाग्रह और इस गलत धारणा को दूर करना एक बड़ी चुनौती है कि व्यावसायिक शिक्षा मुख्यधारा की शैक्षणिक प्रणाली से निम्न है।
- व्यावसायिक शिक्षा को एकीकृत करने से विशुद्ध रूप से शैक्षणिक विषयों और कौशल—आधारित व्यावसायिक शिक्षा के बीच संतुलन बनाए रखना एक चुनौती है।

- देश भर के विभिन्न संस्थानों, जिनमें विविध क्षेत्र और संस्थान शामिल हैं, में मुख्यधारा की शिक्षा के साथ-साथ उच्च-गुणवत्ता वाली व्यावसायिक शिक्षा प्रदान करना एक कठिन चुनौती है। छात्रों को बहुमूल्य व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने के लिए पर्याप्त औद्योगिक अनुभव और शिक्षण कौशल वाले प्रशिक्षित प्रशिक्षक आवश्यक हैं।
- एनईपी 2020 के सफल कार्यान्वयन के लिए आवश्यक बुनियादी ढाँचे, उपकरणों और संसाधनों में महत्वपूर्ण निवेश के लिए सुसज्जित व्यावसायिक प्रशिक्षण सुविधाओं की आवश्यकता होती है। कई शैक्षणिक संस्थानों, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, प्रभावी व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए आवश्यक संसाधनों की कमी हो सकती है।
- मानकीकृत मूल्यांकन और प्रमाणन विधियों के बिना व्यावसायिक कौशल का मूल्यांकन करना चुनौतीपूर्ण है।
- व्यावसायिक शिक्षा योजना की दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए, परिणामों पर नज़र रखने और आवश्यक समायोजन करने के लिए सुसंगत नीतिगत समर्थन, धन आवंटन और निगरानी तंत्र मौजूद होने चाहिए।

निष्कर्ष

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने सभी स्तरों पर शिक्षार्थियों की रोज़गारपरकता और व्यावसायिक कौशल को बढ़ावा देने के लिए व्यावसायिक शिक्षा और शिक्षक क्षमता विकास को उचित महत्व दिया है। राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित सामान्य मानदंडों और कौशल मानकों को पूरा करने वाले व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की पहचान, डिज़ाइन और विकास करके व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (VET) की गुणवत्ता को बढ़ाया जाना है। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की मान्यता और प्रदाताओं के पंजीकरण से व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रमों की गुणवत्ता और स्थिरता में भी सुधार होगा। इस प्रक्रिया में शिक्षकों का चयन और भर्ती, छात्रों का चयन, पाठ्यक्रमों का संचालन, मूल्यांकन और छात्रों को योग्यता प्रदान करना शामिल होना चाहिए। समग्र रूप से व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण प्रणाली के प्रशासन और प्रबंधन तथा छात्र सहायता सेवाओं के प्रावधान के लिए सभी स्तरों, अर्थात् राष्ट्रीय, राज्य, जिला और संस्थागत स्तरों पर सभी हितधारकों के लिए क्षमता विकास की एक मज़बूत प्रणाली की आवश्यकता होगी। व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण में सर्वोत्तम प्रथाओं की पहचान की जानी चाहिए और उन्हें विभिन्न स्तरों पर साझा किया जाना चाहिए, जिसमें विशिष्ट मानदंडों पर ध्यान केंद्रित किया जाए जिन्हें संबंधित क्षेत्रों में विभिन्न संस्थानों में दोहराया जा सके। व्यावसायिक शिक्षा प्रशिक्षण के कार्यान्वयन के शैक्षणिक और अन्य पहलुओं में प्रभावशीलता को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न स्तरों पर व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण में सर्वोत्तम प्रथाओं की पहचान और साझाकरण आवश्यक है।

सन्दर्भ सूची

इंडिया टुडे (2023)रोल ऑफ NEP इन एनहांसिंग स्किल डेवलपमेंट ऑफ स्टूडेंट [Internet]. 2023 [cited 2023 Jul 17]. Available from: <https://www.indiatoday.in/education-today/featurephilia/story/explained-role-of-nep-inenhancing-skill-development-among-students-1981740-2022-07-30>

गैनी. आर (2022)चैलेंजिस एंड पॉसिबल सॉल्यूशन ऑफ वोकेशनल एजुकेशन एंड ट्रेनिंग इन इंडिया,अन इंडेक्सड रिफर्डेड एंड पीर रिव्यूड जर्नल हायर एजुकेशन [Internet].2022;14(1).Available from:https://www.researchgate.net/publication/360081055_NEP_2020_Challenges_and_Possible_Solutions_of_Vocational_Education_and_Training_in_India

के.पी.एम. जी.(2023) इंपैक्ट ऑफ नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 एंड ऑपच्यरुनिटीज फॉर स्टॉकहोल्डर [Internet]. 2020 [cited 2023 Jul 17]. Available from: <https://assets.kpmg.com/content/dam/kpmg/in/pdf/2020/08/impact-of-national-education-policy-2020-and-opportunities-for-stakeholders.pdf>

कुमार. एस (2022)वोकेशनल एजुकेशन एंड स्किल इन्हेसमेंट इन द NEP 2020, इंटरनेट जे क्रिएट रेस थॉट (IJCRT) [Internet]. 2022;10(5). Available from: <https://ijcrt.org/papers/IJCRT2205348.pdf>

जेवराज. पी, (2023)व्हाट हैज द नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 प्रपोज्ड [Internet]. The Hindu. 2020 [cited 2023 Jul 17]. Available from: <https://www.thehindu.com/education/the-hindu-explains-what-has-the-national-education-policy-2020-proposed/article32249788.ece>

जोशी. जे.एंड सोमानी. पी (2021) इंडियन नेशनल पॉलिसी ऑन एजुकेशन.

[Internet]. 2021;13(1):453-60. Available from: <https://hrdc.gujaratuniversity.ac.in/Uploads/EJournalDetail/30/1045/40.pdf>

मलिक अन. एंड दास जे.(2022) वोकेशनल एजुकेशन एंड इंटरप्रानेरशिप इन NEP 2020 राजस्थानी जर्नल [Internet]. 2022;1 (3). Available from: https://www.researchgate.net/publication/359685830_VOCATIONAL_EDUCATION_AND_ENTREPRENEURSHIP_IN_NE_P_2020

पाठक आर(2021) NEP 2020 ए रोड मैप टू वोकेशनल डेवलपमेंट. जे आर्ट्स ह्यूमनीट सोशल [Internet]. 2021;3 (6). Available from: https://www.researchgate.net/publication/356001782_NEP_2020_A_road_map_to_Vocational_Development

यादव जे.(2022) वोकेशनल स्किल एंड नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020.इंटरनेट जे क्रिएट रेस थॉट(IJCRT) [Internet]. 2022;10. Available from: <https://ijcrt.org/papers/IJCRT2205082.pdf>